कारगिल विजय दिवस शहीदों व उनके परिवारों के प्रति कत्र्तव्य का स्मरण कराता है-राज्यपाल
26-7-2017

चंडीगढ़, 26 जुलाई। कारगिल विजय पूरे विश्व को यह संदेश है कि भारत की ओर कोई आंख उठाकर देखेगा तो उसका हश्र बहुत बुरा होगा। भारत ने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया लेकिन भारत पर आक्रमण हुआ है तो हमारे वीर सैनिकों ने दुश्मन को मिट्टी में मिलाया है। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने आज कारगिल विजय दिवस पर आयोजित समारोह में अपने सम्बोधन में कही। समारोह का आयोजन जम्मू-कश्मीर स्टडी सेंटर द्वारा स्थानीय डी0ए0वी0 कॉलेज सेक्टर-10 के सभागार में किया गया था।

इससे पहले राज्यपाल ने शहीद मेजर संदीप सागर, मेजर राजीव संधू, मेजर नवनीत वत्स और कैप्टन तुषार महाजन के परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंन डी0ए0वी0 कॉलेज में स्थापित शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन विजयंत थापर, लफ्टिनेंट राजीव संधू और मेजर संदीप सिंह की प्रतिमाएओं पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। राज्यपाल ने आगे कहा कि भारत ने विश्व को शांति व मानवता का पाठ पढाया है। हमने किसी पर सैन्य आक्रमण नहीं किया। यही नहीं हमने तो युद्ध में जीते क्षेत्र का भी कभी अपने अधीन नहीं किया। भगवान श्रीराम ने लंका को जीतकर भी विभीषण को दे दिया था। आधुनिक युग में 1971 में हमने बांग्लादेश को जीतकर भी शेख मुजीबुर्रहमान को दे दिया।

कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए और उनके परिवारों के प्रति नतमस्तक होते हुए राज्यपाल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि हम इस विजय के लिए शहादत देने वालों को याद करें, उन्हें श्रद्धांजलि दें और ऐसे सपूतों को पैदा करने वाले परिवारों के प्रति अपने कत्र्तव्य का स्मरण करें। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का मुकुट है और इसी मुकुट की रक्षा के लिए कारगिल युद्ध में हमारे वीर सैनिकों ने वीरता के ऐसे नए कीर्तिमान स्थापित किए जिन पर हर भारतीय को सदैव गर्व रहेगा। प्रो0 सोलंकी ने कहा कि यह विजय दिवस हमें यह संदेश देता हैं कि राष्ट्र सर्वोपरि है। इसलिए देश पर कोई संकट आता है तो हर भारतवासी को एकजुट होकर उसका सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश व समाज के हित यदि मौत भी आ जाए तो वह मौत सर्वश्रेष्ठ होती है।

देश की रक्षा में समर्पित सैनिक पैदा करने के लिए डी0ए0वी0 संस्थाओं की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि डी0ए0वी0 आंदोलन ने कभी से ही देशभक्तिपूर्ण शिक्षा दी है। स्वामी दयानन्द ने गुलामी व पराभव से दीनता के शिकार देश को शिक्षा के बल पर स्वाभिमान से भरा था और असंख्य स्वतंत्रता सेनानी प्रदान किए थे। उन्हीं के दिए संस्कारों को आगे बढाते हुए इस कालेज में शहीदों की प्रतिमाएं लगाई गई हैं ताकि यहां पढने आनने वाला हर विद्यार्थी उनसे प्रेरणा ले।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर स्टडी सेंटर के अध्यक्ष पदमश्री जवाहर लाल कौल ने कहा कि हमें इस धारणा से उबरना होगा कि हिमालय अजेय है क्योंकि हम पर ज्यादातर हमले इसी ओर से हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसी सोच के कारण हमलावर हमारे आंगन में आ धमकता है और हमें बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। कारगिल और सियाचीन हमारी इसी गलती का परिणाम हैं। हमें इसके लिए पहले से ही सचेत रहना होगा क्योकि हमारे सैनिक जीतने के लिए लड़ने जाते हैं, मरने के लिए नहीं।

सेवानिवृत लेफ्निेंट जनरल बी0एस0 जसवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि कारगिल युद्ध दुनिया के लिए एक मिसाल बन गया है जिसमें भारतीय सैनिकों और सैन्य अधिकारियों न साबित कर दिया कि हमारी सेना विश्व में सर्वश्रेष्ठ है। सेवानिवृत लेफ्निेंट जनरल के0 जे0 सिंह ने कहा कि सैनिकों को ही नहीं हर नागरिक को देश की रक्षा के प्रति सचेत रहना होगा। उन्होंने कहा कि केवल वही सरहद नहीं है जहां सेना तैनात है, आतंकवाद के इस दौर में सरहद हर जगह है। इससे रक्षा हर नागरिक की सजगता से ही हो सकती है। डी0ए0वी0 कालेज के प्राचार्य डॉ0 बी0सी0 जोशन ने सबका स्वागत किया। कालेज के विद्यार्थियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए अत्यन्त जोश व देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुति दी। समारोह में कारगिल युद्ध पर बनी फिल्म भी दिखाई गई।